- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 दो हजार पंचायत सरकार भवनों का किया सीएम ने किया शिलान्यास

04 बेतिया में छात्र का अपहरण, 20 लाख फिरौती मांगी, स्कूल में पढ़ने गया था छात्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 13 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 251

देश तोड़ने में लगे कुछ लोग: राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल

बीएनएम@शिमला

देश में जातीय जनगणना पर छिड़ी बहस के बीच हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल का बयान सामने आया है। शुक्ल ने जातीय जनगणना की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह के मुद्दे उठाकर कुछ लोग देश को तोड़ने में लगे हैं। हालांकि उन्होंने इस बयान के दौरान किसी भी राजनीतिक दल का जिक्र नहीं किया। शिमला स्थित राजभवन में बुधवार देर शाम एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर राज्यपाल शुक्ल ने कहा कि दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है, जबकि भारत के कुछ लोग देश को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जातिवाद को बढ़ावा देकर लोकतंत्र को सशक्त नहीं किया जा सकता है। समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की पंक्तियों-

दाम बांधो जाति तोड़ो का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि समाज को जोड़ने की आवश्यकता है, न कि जाति के आधार पर बांटने की। राज्यपाल का यह बयान उस समय आया है जब सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों में जातिगत जनगणना करवाने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इस प्रस्ताव के बाद कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल प्रदेश में भी जातीय जनगणना होनी है।

जाति आधारित जनगणना को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कह चुके हैं कि हिमाचल में सभी को जातियों का पता है। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है, जो फॉर्मेलिटी है, वह कर रहे हैं। हिमाचल में तो वैसे भी सब लोगों को पता होता है। दूसरी ओर भाजपा के नेता जातिगत जनगणना का पुरजोर विरोध कर इसे लोगों विशेषकर हिंदू समाज को बांटने की कवायद बता रहे हैं।

राज्यपाल शुक्ल ने शशांक मणि की पुस्तक 'मिडिल ऑफ डायमंड इंडिया' का विमोचन किया। लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं। इस दौरान राज्यपाल ने शशांक मणि के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 'मिडिल ऑफ डायमंड इंडिया' पुस्तक के माध्यम से भारत के आर्थिक, सामाजिक और राजनीति के केंद्र को उच्च वर्ग से देश के उभरते हुए मध्यम वर्ग की तरफ ले जाने का एक साहसिक प्रयास किया है, वहीं दूसरी तरफ जातिगत जनगणना कर वोट के लिए कुछ लोग देश को तोड़ने में लगे हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह पुस्तक हाशिए पर रहने वाले उन लोगों की अनसुनी कहानियों को उजागर करती है।

गृह मंत्री शाह देखेंगे भारत और पाकिस्तान का मैच

अहमदाबाद। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट वर्ल्ड कप का मैच खेला जाएगा। इस मैच को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी लाइव देखेंगे। केन्द्रीय मंत्री शाह 13 अक्टूबर को 3 दिनों के गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। अमित शाह 13 अक्टूबर को अहमदाबाद आएंगे। 14 अगस्त को वे नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड कप मैच देखेंगे। इसके अलावा वे अहमदाबाद, गांधीनगर के कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे। नवरात्र के पहला दिन 15 अक्टूबर को वे माणसा में कुलदेवी के दर्शन करेंगे। सूत्रों के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को देखने के लिए सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और रजनीकांत भी आ सकते हैं।

मध्य प्रदेश में आदिवासियों पर सर्वाधिक अत्याचार: प्रियंका गांधी

मंडला। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के मंडला जिले के रामनगर में कांग्रेस की जनाक्रोश यात्रा के दौरान सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आदिवासियों-महिलाओं पर अत्याचार और घोटालों को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा की 225 महीनों की सरकार है। इस दौरान ढाई सौ घोटाले हुए हैं। प्रदेश में आदिवासियों पर जो अत्याचार हो रहे हैं, उसका कोई मुकाबला नहीं है। प्रियंका ने जनसभा में जय जोहार, जय सेवा, जय रानी दुर्गावती, हर-हर नर्मदे के जयघोष के साथ अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने कहा कि जल जंगल जमीन के आप अधिकारी हैं।

आतंकियों और अपराधियों को स्थान देना बंद करे कनाडा : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा के अन्य देशों के साथ भारत से जुड़े तनाव का मुद्दा उठाने से कोई हल नहीं निकलने वाला है। मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा अपने यहां आतंकियों और अपराधियों को स्थान देना बंद करे। साथ ही भारतीय मिशनों और राजनयिकों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के यूएई और अन्य देशों के साथ भारत से जुड़ा मुद्दा उठाने के प्रश्न का उत्तर देते हुए उक्त बातें कहीं।

उल्लेखनीय है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत की खुफिया एजेंसी पर कनाडा में रह रहे खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप मढ़ने की कोशिश की थी। भारत ने इसपर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे बेतुका बताया था। भारत का कहना है कि घरेलू राजनीति के कारण कनाडा की सरकार खालिस्तानियों को समर्थन दे रही है, जो खुलेआम भारतीय राजनयिकों और मिशनों पर हमले की धमकियां दे रहे हैं।

कनाडा के विदेश मंत्री और भारत के विदेश मंत्री की मुलाकात से जुड़े प्रश्न का प्रवक्ता ने सीधा उत्तर नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कनाडा के साथ विभिन्न स्तरों पर हमारी बातचीत जारी है। वहीं पी20 में कनाडा के संसद के अध्यक्ष के भाग नहीं लेने के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि भारत ने सभी देशों को आंमत्रित किया था। किन्हीं कारणों से वे नहीं आ पा रहे हैं।

आयोजन राष्ट्रपति का स्वागत श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग और पुलिस के आला अधिकारियों ने किया

राष्ट्रपति ने मां वैष्णो देवी के नवनिर्मित स्काईवॉक का किया उद्घाटन

बीएनएम@जम्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को माता वैष्णो देवी के दर्शन किए। इस मौके पर राष्ट्रपति ने नवनिर्मित स्काईवॉक और नवदुर्गा पथ का उद्घाटन भी किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार से जम्मू व कश्मीर में अपने दो दिवसीय प्रवास पर हैं। गुरुवार को राष्ट्रपति मुर्मू दोपहर को पंछी हेलीपैड पर पहुंचीं और यहां से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए रवाना हुईं। भवन पहुंच कर मुर्मू ने माता वैष्णो देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने मां के दरबार में माथा टेक कर सबकी सुख-शांति के लिए प्रार्थना भी की। राष्ट्रपति ने मां वैष्णो देवी भवन पर बने स्काईवॉक व नवदुर्गा पथ का

लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उनका स्वागत श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग और पुलिस के आला अधिकारियों ने किया। उनके साथ जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि वैष्णो देवी भवन में श्रद्धालुओं भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्काईवॉक परियोजना का प्रस्ताव रखा था।

15 करोड़ की लगात से बना है स्कॉईवॉक

इसके बाद माता वैष्णो देवी भवन पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्काईवॉक बनाया गया है। यह 15 करोड़ रुपये की लागत से इसे डेढ़ साल में बनकर तैयार हुआ है। इसमें मां दुर्गा के नौ रूपों को प्रतिबिंबित किया गया है, जिसे नव दुर्गापथ नाम दिया गया है। प्रवेश द्वार पर 60 मीटर लंबी गुफा बनाई गई है ताकि श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की प्राचीन गुफा का अहसास हो सके। यहां प्रत्येक 100 मीटर की दूरी पर यात्रियों के लिए प्रतीक्षा हॉल का निर्माण किया गया है। स्काईवॉक के एक ओर शीशा लगाया गया है ताकि श्रद्धालुओं को भवन के दर्शन होते रहें। इसके साथ ही माता वैष्णो देवी के श्लोक तथा मंत्र आदि अंकित किए गए हैं ताकि भक्ति पूर्ण वातावरण बना रहे। स्काईवॉक से एक समय में छह हजार से अधिक श्रद्धालु मंदिर तक पहुंच सकेंगे। इसे ट्रैक से 20 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। भवन के प्रवेश द्वार पर बने स्काईवॉक का नवदुर्गा पथ शारदीय नवरात्र पर भक्तों का स्वागत करेगा। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने स्काईवाक फ्लाईओवर में लकड़ी की फ्लोरिंग की गई है। इससे नंगे पांव चलने में दिक्कत नहीं होगी।

प्रधानमंत्री ने नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण हुई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। मोदी ने जोर देकर कहा कि अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट किया, "नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण लोगों की मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। अधिकारी सभी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।" रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर लिखा, अपूरणीय क्षति के लिए गहरी संवेदनाएं।

नॉर्थ ईस्ट ट्रेन दुर्घटना को ले 95 ट्रेन का मार्ग परिवर्तित

कटिहार। ट्रेन संख्या 12506 आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन के बुधवार को रघुनाथपुर स्टेशन के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण, पटना दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन रेल खंड पर ट्रेनों के परिचालन प्रभावित हुआ। जिसके फलस्वरुप रेल प्रशासन द्वारा कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन एवं निरस्तीकरण किया गया। इस संदर्भ में सीपीआरओ हाजीपुर ने दूरभाष पर बताया कि 95 ट्रेन का मार्ग परिवर्तित, निरस्तीकरण में 31 ट्रेन, आंशिक समय परिवर्तन और शॉर्ट टर्मिनेशन में कुल पांच ट्रेन सहित दो ट्रेनों को रि-शेड्यूल किया गया है।

सीपीआरओ ने बताया कि रेल प्रशासन द्वारा ट्रेनों के परिचालन को पुनः सामान्य करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य जारी है। वही देर शाम तक एक लाइन ट्रेन परिचालन के लिए फिट होने की संभावना है। कटिहार रेल मंडल अंतर्गत नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन के यात्रियों को स्पेशल ट्रेन से कटिहार ले जाने के क्रम में कटिहार रेलमंडल के डीआरएम सुरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में रेल प्रशासन द्वारा कटिहार रेल मंडल अंतर्गत कटिहार सहित बारसोई, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी आदि स्टेशनों पर यात्रा कर रहे यात्रियों और बच्चो के लिए निशुल्क खाना पानी के अलावा चिकित्सा सुविधा आदि मुहैया कराई गई।

सुशील मोदी ने बक्सर रेल दुर्घटना में तोड़फोड़ की आशंका की जांच को बताया जरूरी

पटना। बक्सर रेल दुर्घटना पर दुख जताते हुए राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बक्सर रेल दुर्घटना के बाद राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू हुए तथा इसकी जांच के आदेश भी दिये गए, जिससे पता चलेगा कि यह हादसा किसी तकनीकी गलती से हुआ या इसके पीछे तोड़फोड़ करने वाली ताकतों का हाथ है। उन्होंने कहा कि रेलवे और वंदे भारत एक्सप्रेस को निशाना बनाने की घटनाओं के बीच तोड़फोड़ की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए इस ऐंगल से भी जांच होनी चाहिए। मोदी ने नार्थ ईस्ट ट्रेन के बेपटरी होने से 4 लोगों की मृत्यु पर शोक प्रकट किया और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान यात्रा के दौरान मोदी ने टोक्यो से जारी बयान में दुर्घटना स्थल पर राहत और बचाव कार्य में लगी एनडीआरएफ की टीम, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में रेलवे सेफ्टी पर ज्यादा ध्यान देने से दुर्घटनाओं में कमी आयी लेकिन ओडिशा (बालासोर) के बाद बिहार (बक्सर) की रेल दुर्घटना चिंता का विषय है। मोदी ने कहा कि बक्सर रेल हादसे की जांच रिपोर्ट आने पर सरकार को तुरंत कड़े कदम उठाने होंगे, जिससे यात्रियों में सुरक्षा का भरोसा बढ़े।

जुमलेबाज वाली भाषा सीख गए हैं उपेन्द्र कुशवाहा: रत्नेश सदा

पटना। अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री रत्नेश सदा ने उपेंद्र कुशवाहा पर हमला करते हुए गुरुवार को कहा कि उपेंद्र कुशवाहा भाजपा के संगत में रहकर जुमलेबाज वाली भाषा सीख गए हैं। वह पार्टी कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों के सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, उपेंद्र कुशवाहा ज्ञान के अभाव में जातीय गणना के आंकड़े पर बेबुनियाद सवाल उठा रहे हैं। यदि उन्हें लगता है कि जातीय सर्वेक्षण में गड़बड़ी हुई है तो केंद्र में बैठे अपने आलाकमान से कहकर देशभर में जातीय जनगणना करवाएं। प्रधानमंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास लम्बा राजनीतिक अनुभव रहा है। उन्होंने अपने कार्यकुशलता और दूरदर्शिता से बिहार का कायाकल्प किया है। प्रधानमंत्री बनने की सारी योग्यता नीतीश कुमार में विद्यमान है। हालांकि, अभी इंडिया गठबंधन का पहला मकसद भाजपा को केंद्र की गद्दी से अपदस्थ करना है।

दो हजार पंचायत सरकार भवनों का किया सीएम ने किया शिलान्यास

बीएनएम@पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पंचायती राज विभाग द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास-शुभारंभ किया। इसके तहत मुख्यमंत्री ने 4,171 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 2,000 पंचायत सरकार भवनों का शिलान्यास किया। साथ ही ऑनलाइन के माध्यम से 366 नवनियुक्त अंकेक्षकों के बीच नियुक्ति-पत्र का भी वितरण किया। इसके अलावा ई- पंचायत पोर्टल और मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना के अंतर्गत 9500 अनुरक्षकों का प्लंबिंग प्रशिक्षण की भी शुरुआत की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायती राज विभाग के मंत्री और मुख्य सचिव ने सभी बातों की विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि पंचायत सरकार भवन का नामकरण हमने किया है। पंचायत को ये इज्जत और प्रतिष्ठा देने के लिए नामकरण किया। 1517 पंचायत सरकार भवन का निर्माण पूर्ण हो चुका है और 857 पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य चल रहा है।

सीएम ने कहा कि विश्व बैंक को पता चला कि हमलोग पंचायत सरकार भवन का निर्माण करा रहे हैं तो उन लोगों ने कहा कि 330 पंचायत सरकार भवन के निर्माण में हम सहायता देंगे। आज 2000 पंचायत सरकार भवन का शिलान्यास किया गया है। बाकी जो बचे हुए 3683 पंचायत सरकार भवन हैं उनके लिए जल्द-से-जल्द एक महीने के अंदर स्थल का चयन कर लें और इसी वर्ष उनका भी निर्माण कार्य शुरू कराएं और वर्ष 2024 तक इसका निर्माण कार्य पूर्ण करें। इस काम को तेजी से पूर्ण करेंगे तो मुझे बहुत खुशी होगी। सरकार की तरफ से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जितना ज्यादा हमलोगों ने पंचायत के लिए काम किया है उतना देश में कहीं नहीं हुआ है। पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि आजकल कुछ-कुछ मांग कर रहे हैं, किसी के चक्कर में मत पड़िए, मन लगाकर काम करते रहिए। हम आपकी सुविधाओं के लिए जो भी संभव होगा करते रहेंगे। हमलोग जो यहां काम कर रहे हैं सबको दिख रहा है। केंद्र कोई काम नहीं कर रहा है, वे लोग सिर्फ मीडिया में बने रहते हैं। बिहार में पार्टी के आधार पर पंचायत चुनाव नहीं होता है जबकि अन्य राज्यों में पार्टी के आधार पर चुनाव होता है। केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को मिलनेवाला उसके हिस्से का 41 प्रतिशत शेयर नहीं मिल पाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मेहनत करके अपने संसाधनों से काफी काम कर रही है। जब हम सरकार में आए थे तो राज्य का बजट 21 से 22 हजार करोड़ रुपये था। अब यह बढ़कर 2 लाख 63 हजार करोड़ रुपये हो चुका है। हर घर तक पक्की गली-नाली का निर्माण कराया गया है। जब हम सांसद थे तो अपने क्षेत्र में 13-14 किलोमीटर तक पैदल चलते थे। आवागमन की सुविधाओं का अभाव था लेकिन अब आवागमन को बेहतर बनाया गया है। पुल, पुलिया, सड़कों का निर्माण किया गया। हर घर तक बिजली पहुंचाई गई। हर घर तक नल का जल पहुंचाया गया, जिसे बाद में केंद्र सरकार ने भी अपनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत के सभी वार्डों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही है, जिससे लोगों को रात में रोशनी की काफी सुविधा होगी और बिजली की भी काफी बचत होगी। सभी घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का काम भी तेजी से किया जा रहा है। इस मीटर से जितना खर्च कीजिएगा उतना ही बिजली का बिल आएगा।

सभा भाजपा के कार्यकर्ता के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई

आत्मीय संबध के आधार पर विकसित होता है संगठन: नंद किशोर

भागलपुर। भाजपा जिला कार्यालय में गुरुवार को जिला अध्यक्ष संतोष कुमार की अध्यक्षता में संगठन मजबूती क़ो लेकर बैठक की गयी। जिसमे पूर्व मंत्री सह पटना साहिब विधायक नंद किशोर यादव एवं प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता उपस्थित रहे। बैठक में भाजपा के कार्यकर्ता के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई तथा भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

भाजपा के वरिष्ठ विधायक नंद किशोर यादव ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन आत्मीय संबध के आधार पर विकसित होता है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता होने के कारण हमें गर्व की अनुभव होता है। गांव, गरीब, किसान, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए केंद्र सरकार ने जितना किया है, उतना पहले कभी नहीं हुआ।

विधान परिषद सदस्य डॉ एनके यादव ने कहा की भाजपा का लक्ष्य है प्रत्येक घर तक अपना पहुंच बनाना, प्रत्येक जनता को केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहें अनेकों जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना। घर घर भाजपा कार्यकर्ता बनाना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत बनाते हुए राष्ट्र के नवनिर्माण में उनका सकारात्मक योगदान सुनिश्चित करना। प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता ने कहा की बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और मंडल को सशक्तिकरण के ऊपर जोर देने की बात करते हुए सक्रिय मंडल सशक्त बूथ का मंत्र दिया।

जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने कार्यकर्ताओं से कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक मंडल में बूथ स्तर पर समीक्षात्मक बैठक कर काम करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर ज़पि अध्यक्ष टुनटुन साह, मेयर डॉ बसुंधरा लाल, नवगछिया जिला अध्यक्ष मुक्तिनाथ निषाद, उमाशंकर, ललिता देवी, नितेश सिंह, विजय कुशवाहा, अभय घोष सोनू, योगेश पांडेय, जिला मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेयी, भाजयुमो प्रदेश प्रवक्ता आलोक सिंह बंटू, इंजिनियर श्रीकांत कुशवाहा, प्रणव दास आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मृतकों को दस लाख एवं घायलों को मिला 50 हजार

पटना/बेगूसराय। पटना-दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड पर दानापुर मंडल के रघुनाथपुर स्टेशन के समीप बीते रात आनंद विहार टर्मिनल से कामाख्या जा रही 12506 नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद रेलवे युद्ध स्तर पर कार्रवाई में जुटी हुई है। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश एवं दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी अन्य अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर मौजूद हैं। दुर्घटना के जांच के लिए बनी टीम भी दुर्घटना स्थल पर पहुंच गई है। दिल्ली और कोलकाता से आए रेलवे के वरीय अधिकारी जांच रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपेंगे। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में चार यात्रियों की मौत हो गई। चार यात्री गंभीर रूप से घायल तथा 26 यात्री साधारण रूप से घायल हुए हैं। रेल प्रशासन द्वारा इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मृत यात्रियों के परिजनों को दस-दस लाख रूपये की अनुग्रह राशि दे दी गई है।

दो पक्षों की मारपीट में घायल की मौत

बेतिया। नौतन थाना क्षेत्र के दक्षिण तेल्हुआ पोखरा चौंक पर बीती रात कहासुनी को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। जिसमें एक पक्ष के पिता, पुत्र गम्भीर रूप से घायल हो गए।घायलों को ईलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया में भर्ती कराया गया है। जहां देर रात मदन सहनी की मौत हो गई और उसके पुत्र नीतीश कुमार की हालत गंभीर बताई जा रही है।मिली जानकारी के अनुसार बीती रात करीब दस बजे कहांसुनी को लेकर नीतीश सहनी और धर्मेन्द्र सहनी के बीच पोखरा चौंक पर कहासुनी होने लगी। विवाद की बात परिजनों तक पहुंची और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। जिसमें मदन सहनी और उसके पुत्र नीतीश कुमार गम्भीर रूप से ज़ख्मी हो गये। ग्रामीणों के सहयोग से घायलो को ईलाज के लिए बेतिया भर्ती कराया गया। ईलाज के दौरान मदन सहनी की मौत हो गई है । वहीं नीतीश की हालत गंभीर बताई जा रही

है। गुरुवार की दोपहर पोस्टमार्टम के बाद मदन सहनी का शव गांव पहुंचा तो देखने के लिए ग्रामीणों की जन सैलाव उमड़ पड़ी।वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। वहीं थानाध्यक्ष खालिद अख्तर ने बताया कि परिजनों के ब्यान पर कांड अंकित कर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। मौक़े पर नौतन थाना के एस आई अमरजीत भारद्वाज, सुशील कुमार सिंह,पीएस आई उमलेश कुमार यादव, श्री नगर थाना के पुनि अमित कुमार सिंह, जगदीशपुर थाना के एस आई रविकांत कुमार, पीएस आई, रविशंकर कुमार, बैरिया थाना के एस आई मिथिलेश कुमार वर्मा दल बल के साथ उपस्थित रहे।

शस्त्र लाइसेंस का हुआ भौतिक सत्यापन

सिकरहना। सिकरहना क्षेत्र के ढाका एवम पचपकड़ी ओपी क्षेत्र के सभी शस्त्रधारकों ने अपना अपना शस्त्र एवम लाइसेंस लेकर भौतिक सत्यापन को लेकर सुबह दस बजे से ही आना शुरू हो गया। जिसको लेकर ढाका थानाध्यक्ष थानाध्यक्ष मुकेशचंद्र कुंवर एवम पचपकड़ी ओपी थानाध्यक्ष अंजन कुमार के द्वारा शस्त्रधारकों को कागजात के साथ सत्यापन किया गया। जिसको लेकर पचपकड़ी थानाध्यक्ष अंजन कुमार से पूछने पर बताया कि गृह विभाग से प्राप्त निर्देश के आलोक में आगामी पर्व, त्यौहार को शांतिपूर्ण मानने,एवम हर्ष फायरिंग पर रोक लगाने तथा विधि व्यवस्था संधारण के लिए सभी शस्त्र अनुज्यप्तिधारक को अपने अपने शस्त्र का भौतिक स त्या प न क रा ना है।जिसमे क्षेत्र के आज लगभग सभी शस्त्रधारक थाना पर आकर सत्यापन कराया है।

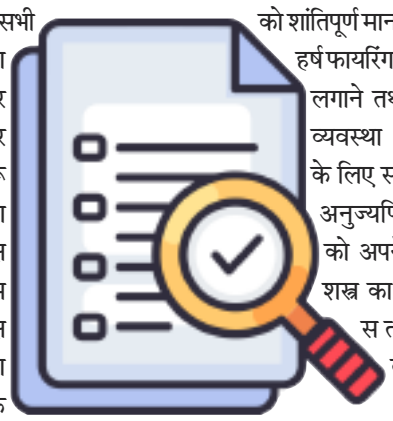

बाल विकास परियोजना के द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया

मोतिहारी। महिला एवं बाल विकास विभाग व समाज कल्याण विभाग बिहार सरकार के तत्वाधान में पूर्वी चंपारण आईसीडीएस (डीपीओ) के दिशा- निर्देश से घोड़ासहन प्रखंड के बाल विकास परियोजना के द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। उक्त कार्यक्रम प्रखंड के महंत रामजी दास शशि भूषण दास जयप्रभा उच्च माध्यमिक विद्यालय घोड़ासहन में किया गया। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अंजना कुमारी के आलोक में विद्यालय के नवीं व दसवीं के छात्राओं को स्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओस्र पर विशेष बातें मौके पर उपस्थित महिला पर्यवेक्षिका संगीता कुमारी व किरण कुमारी के द्वारा छात्रों के बीच बताई गई। उन्होंने बताया की समाज में बेटियों को व देश में भी बेटियों को अच्छे स्थान प्राप्त हो रहे हैं। जिसके तहत बेटियों को अपने मौलिक अधिकारों पर व अपने मूल अधिकार पर पूरी तरह से हक है। आज के दौर में बेटियां अनेक अनेक प्रतियोगिता में बेहतर स्थान प्राप्त कर अपने गांव-जिले-राज्य व देश के नाम गौरवान्वित कर रही हैं। मौके पर उपस्थित स्कूल के प्रधानाध्यापक व अध्यापक समेत अन्य सैंकड़ों छात्राएं मौजूद थीं।

पूजा पंडाल में सुरक्षा साधनों की समुचित व्यवस्था करें – एसडीओ

बीएनएम@केसरिया। दशहरा पूजा को लेकर थाना परिसर में गुरुवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, विभिन्न दल के नेता, पूजा समिति से जुड़े लोग व डीजे संचालक शामिल हुए। संबोधित करते हुए पुलिस उपाधीक्षक सत्येन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि हर हाल में शांतिपूर्ण माहौल में दशहरा पूजा का आयोजन करें। पुलिस प्रशासन हर कदम सहयोग को तैयार है। उन्होंने कहा कि पूजा समिति को आयोजन को लेकर लाइसेंस लेना होगा। कलश यात्रा, प्रतिमा विसर्जन सहित पूजा संबंधित अन्य गतिविधियों की पूर्व जानकारी प्रशासन को दें। ताकि आयोजन के दौरान विधि-व्यवस्था को लेकर पुलिस सहयोग कर सके। वहीं एसडीओ शंभुशरण पाण्डेय ने कहा कि आयोजन के दौरान किसी

भी अफवाह पर ध्यान नहीं दें। सुरक्षा की दृष्टिकोण से पूजा पंडाल में सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन यंत्र सहित सुरक्षा से जुड़े अन्य साधनों की समुचित व्यवस्था करें। आयोजन के दौरान डीजे बजाने व रात्रि 10 बजे के बाद किसी भी प्रकार के कार्यक्रम पर रोक रहेगी। उन्होंने पूजा समिति के लोगों से शांतिपूर्ण माहौल में आयोजन करने की अपील की। इस दौरान विभिन्न पूजा समितियों से जुड़े लोगों ने अपने आयोजन से संबंधित जानकारी साझा की। बैठक की अध्यक्षता पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर बीडीओ मनीष कुमार सिंह, सीओ प्रवीण कुमार सिन्हा, पुलिस निरीक्षक गौरी कुमारी, पूर्व मुख्य पार्षद रजनीश कुमार पाठक, सुदामा पटेल, विशुराज सिंह, सहेंद्र प्रसाद यादव, भाजपा नेता शम्भु महतो, जदयू नेता मो इशाक आजाद, राजद नेता हातिम खान, जिला पार्षद पति विनोद गुप्ता, सीपीआई नेता नेजाम खान, विजय जायसवाल सहित अन्य मौजूद थे।

खुशहाली देश के 12 लाख अभिकर्ताओं के हितों की रक्षा के लिये संकल्पित है लियाफी :बिपिन कुशवाहा

रक्सौल एलआईसी शाखा में मनाया गया लियाफी का 59वां स्थापना दिवस

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के रक्सौल स्थित एलआईसी शाखा में गुरुवार को ऑल इंडिया लियाफी का 59वां स्थापना दिवस मनाया गया।इस दौरान ऑल इंडिया लियाफी के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (पूर्व मध्य क्षेत्र) बिपिन कुशवाहा, मंडल उपाध्यक्ष राजकिशोर सिंह, राजनारायण सिंह, राजन मिश्रा, अवधकिशोर सिंह, स्वर्ण सिंह, ध्रुप प्रसाद,अम्बिका ठाकुर सहित अन्य अभिकर्त्ता व पदाधिकारियो ने संयुक्त रूप से केक काट कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए लियाफी के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बिपिन कुशवाहा ने कहा कि ऑल इंडिया लियाफी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नयन कुमार कमल व राष्ट्रीय महासचिव डॉ कुल्दीय बोल्या के आह्वान पर 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक पूरे एक पखवाड़ा देश भर के सभी शाखाओं व मंडलो में लियाफी का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लियाफी की स्थापना 2 अक्टूबर 1964 में स्वर्गीय देवमुद बिद्री की अध्यक्षता में मुम्बई में हुई थी।उनके बाद स्वर्गीय शमशेर अली व स्वर्गीय अजय कुमार पुरकास्था ने संगठन को आगे बढ़ाया। इन लोगो ने अपना पूरा जीवन संगठन को आगे बढ़ाने व अभिकर्ताओं के मान, सम्मान, उनके हितों तथा अधिकारों की रक्षा के लिये संघर्ष किया।

वर्तमान समय मे उन महान बिभूतियो के पद चिन्हों पर चलकर उनके अधूरे कार्यो व सपनों को साकार करने का कार्य ऑल इंडिया लियाफी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नयन कुमार कमल, राष्ट्रीय महासचिब डॉ कुलदीप बोल्या, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात कुमार, क्षेत्रीय अध्यक्ष पूर्व मध्य क्षेत्र आर एन देव ,क्षेत्रीय सचिव विनय कुमार सिंह सहित अन्य लोग कर रहे है।

उन्होने कहा कि लियाफी देश के करीब 12 लाख अभिकर्ताओं के हितो के संरक्षण के लिए सतत सजग रहता है, जिस कारण ही एलआईसी अभिकर्ताओं को पूरा सम्मान मिल रहा है। मौके पर मदन प्रसाद, राजकिशोर प्रसाद, मधुरेन्द्र तिवारी, केदारनाथ शर्मा, सुभाष कुमार श्रीवास्तव, राजेश पचौरी, मनीष कुमार मिश्रा, कृष्णा मिश्र, मोहमद सैफ अली, सुभाष सिंह, राजेश्वर पांडेय, सहित कई अभिकर्ता व लियाफी के पदाधिकारी मौजूद थे।

ढेकहाँ के पंचायत समिति सदस्य का निधन

बीएनएम@केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के ढेकहाँ के पंचायत समिति सदस्य विपुल कुमार सिंह (48) का गुरुवार को हृदयाघात से निधन हो गया। स्वजनों के अनुसार एक कार्यक्रम के बाद मोतिहारी स्थित घर पर गये। जहाँ उन्हें हृदयघात हुआ। जिसके बाद स्वजन उन्हें अस्पताल ले गए। वहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्व सिंह इससे पहले दो बार पंसस रह चुके थे। उनके पिता स्व शैलेन्द्र कुंवर ढेकहा पंचायत के भूतपूर्व मुखिया सह केसरिया के उपप्रमुख रह चुके थे। इधर, उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जिसके बाद शुभचिंतक गुरुवार की देर शाम तक उनके ढेकहाँ स्थित घर पर शव आने का इंतजार कर रहे थे। उनके निधन पर विधायक शालिनी मिश्रा, एमएलसी महेश्वर सिंह, जिला पार्षद निर्मला देवी, मुखिया दिलीप यादव, पूर्व प्रमुख राकेश सिंह, पूर्व उप प्रमुख दुष्यंत सिंह राजू सहित अन्य ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।

22 .5 लीटर शराब के साथ युवक हुआ गिरफ्तार

रक्सौल। बिहार में शराबबंदी के बाद लाईसेंस धारी शराब की दुकानों पर तालेबंदी हो गई, परंतु तस्करों के लिए ये बंदी सोने पर सुहागा साबित हुई। आए दिन कोई न कोई तस्करी, कारोबारी या शराबी पकड़े ही जाते हैं। इसी कड़ी में फिर एक बार रक्सौल स्थित आबकारी थाना ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए एक कारोबारी को बीती रात गिरफ्तार किया है, जिसके पास शराब भी बरामद हुआ है। जिसकी जानकारी देते हुए आबकारी थाना प्रभारी एसआई लालू कुमार ने बताया कि मिली सूचना के आधार पर नागा रोड वार्ड नं 22 के निवासी राजू कुमार जायसवाल के पुत्र अनिकेश कुमार जायसवाल को 22.5 लीटर शराब को उसके किराए के मकान से बरामद किया गया। जिसके बाद कारोबारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए अग्रतर कार्रवाई हेतु न्यायालय भेज दिया गया है।

केन्द्रीय विवि के पदीक्षांत समारोह में 1485 उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मिलेगी उपाधि

बीएनएम@मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में वर्ष 2020 से लेकर 2023 बैच के उत्तीर्ण होने वाले 1485 छात्र व छात्राओं को उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें 2020 बैच के 240, 2021 बैच के 441, 2022 बैच के 422 तथा 2023 बैच के 382 विद्यार्थी शामिल हैं।जिसमें 103 एमफिल तथा शेष 1382 अंडर ग्रेजुएट व पोस्टग्रेजुएट के छात्र व छात्रा शामिल है।उक्त समारोह के दौरान विश्वविद्यालय द्धारा चयनित 161 टापर्स को भी मेडल प्रदान किया जाएगा।

इनमें 54 विश्वविद्यालय टापर्स के अतिरिक्त 104 प्रोग्राम टापर्स के साथ अन्य तीन मेडल को शामिल किया गया है,जो विवि को धनराशि दान करने वाले प्रो. जनार्दन प्रसाद

के नाम पर होगा।उल्लेखनीय है,कि विवि प्रशासन ने दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वालो विद्यार्थियों के लिए हर हाल में 12 अक्टूबर तक एमजीसीयूबी की वेबसाइट पर उपलब्ध दीक्षांत लिंक पर पंजीकरण कराना अनिवार्य करते हुए समारोह शुल्क के रूप में 750 रुपये की राशि का भुगतान भी आवश्यक किया है।

विवि के जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पंजीकृत विद्यार्थियों के बीच आगामी 17-18 अक्टूबर को चाणक्य परिसर एवं बलुआ टाल स्थित विवि कैंपस में पगड़ी व अंगवस्त्र का वितरण किया जाएगा।इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विधार्थियो के लिए विवि प्रशासन ने ड्रेस कोड भी निर्धारित किया है। जिसमे छात्रों के लिए सफेद कुर्ता-पायजामा तथा छात्राओ के लिए क्रीम कलर की रेड बार्डर वाली साड़ी निर्धारित है। साथ ही सर पर साफा (पगड़ी) एवं गले से कमर तक उतरिया (अंगवस्त्र) भी ड्रेस का हिस्सा होगा।

गुणवतापूर्ण शिक्षा कैसे हो पूरा, जब पुस्तक वितरण ही है अधूरा

ग्राउंड रिपोर्ट

अमलेश कुमार @ बीएनएम

रक्सौल। अनुमंडल अंतर्गत रामगढ़वा प्रखंड में प्रत्येक दिन जाँच होने के बावजूद भी स्कूलों की स्थिति खस्ता नजर आ रही है। क्योंकि बिहार सरकार के द्वारा कई मद में पैसा खर्च कर स्कूलों की स्थिति को सुधारने में लगी है लेकिन इसके बावजूद भी यहाँ की स्थिति सुधरने का नाम नही ले रही है। प्रखंड अंतर्गत रा.उ.म.वि गुरहनवा का हाल ये है कि जहां बिहार सरकार ने पूरे सरकारी विद्यालय में पुस्तक उपलब्ध करा दिया है, वहीं इस विद्यालय में मात्र 12 पुस्तक ही प्राप्त हुआ है, बड़ा ही दिलचस्प मामला है। ऐसा कहना है प्रभारी प्रधानाध्यपक प्रभात कुमार का।

जब प्रभारी प्रधानाअध्यापक से पूछा गया की स्पोर्ट्स कीट और मेडिकल कीट कहां है तो उनके द्वारा बड़े ही बेबाक ढंग से जवाब दिया गया कि घर पर है। लगता है महोदय को किसी का डर भी नहीं था।वाह रे सुशासन की सरकार ! इस तरह गुणवतापूर्ण शिक्षा की सपना पूरी हो रही है।

कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पिछले 15 साल से एक ही खानदान से सचिव का चुनाव हो रहा है - कभी पतोहु तो कभी भवाज। इतना ही नहीं इसी खानदान से रसोइया और सफाईकर्मी से लेकर शिक्षा समित सदस्य तक चुने जाते है। आज तक कभी आम सभा नहीं हुआ और प्रभारी प्रधानाध्यपक द्वारा हर बार कागज पर सचिव चुन लिया जा रहा है। हर बार समग्र शिक्षा की राशि की निकासी होती और मरम्मती और विद्यलायी काम इतना ही हुआ है कि आज से कुछ साल पहले एक बार रंग रोगन का कार्य हुआ है बस ! वैसे ये दिख भी रहा था।

पहले विद्यालय में जहां बिजली का कनेक्शन था, आज नदारद है। पूछने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बताया के पहले बिजली वाला काम कराने वाला पैसा आया था जिसको प्रधानाध्यापक द्वारा वापस विभाग को लौटा दिया गया। जहां सरकार विद्यालयों में सुविधाओं को बढ़ाने की कोशिश कर रही है। वहां ऐसा अनमना जवाब जांच का विषय है कि वास्तव में बिजली के पैसा की वापसी हुई है या पैसा का बंदरबांट हो गया।

बच्चों की उपस्तिथि महज 70-80 ही रहती है लेकिन बिल हमेशा 250 से 290 तक का बनता है। कुछ बच्चों ने बताया कि एमडीएम की गुणवत्ता भी ठीक नही रहती है। अंडे वाले दिन अंडे को कटकर आधा- आधा दिया जाता है।

अभी गांधी जयंती के शुभ अवसर पर स्वच्छता का जो अभियान चला इस विद्यालय ने उसको भी तार-तार कर दिया। एक शौचालय साफ था तो उसमें ताला मारा गया था जिसका उपयोग शिक्षक एव शिक्षिका करते है और छात्र छात्राओं को बाहर नदी या खेत की तरफ जाना पड़ता है। बात सही प्रतीत हुई क्योंकि कुछ बच्चें- बच्चियां नदी और खेत की तरफ जाते दिखे। जहां सरकार छात्र हित के लिए मजबूती से कदम उठा रही वहां ऐसा रवैया निश्चित तौर पर किसी बड़े दुर्घटना का संकेत दे रहा है, कारण ये है कि ये विद्यालय एन एच 28 के बिल्कुल सटा है।

ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि यहां वरीयता का अनुपालन नहीं हो रहा है। प्रभारी प्रधानाध्यापक से पद स्थापना विवरणी मांगने पर दिखाने से इंकार कर दिया गया। कुछ बच्चों ने आरोप लगाया की प्रधानाध्यापक हमेशा पान चबाते रहते है। ये ध्यान देने वाली बात है कि सरकारी संस्थाओं पर तंबाकू निषेध है।

आरोप तो बहुत सारे लग रहे थे।सारे आरोपों की पुष्टि बॉर्डर न्यूज मिरर तो नहीं करता लेकिन अधिकांश आरोपों की सत्यता से इंकार नहीं किया जा सकता है। जहां राज्य में एसीएस के.के पाठक जैसे कड़क पदाधिकारी और पूर्वी चंपारण जिला में एक कर्मठ और लगनशील जिला शिक्षा पदाधिकारी सरकारी विद्यालयों के जीर्णोधार में लगें, वहां ऐसी व्यवस्था निश्चित तौर पर जांच का विषय है।

वही जब जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार से फोन पर सम्पर्क कर सभी बातों के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा कि अगर वैसी स्थिति है जाँच कर कार्यवाही किया जाएगा।

जब प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से बात किया गया तब उन्होंने बताया कि ऊपर से ही पुस्तक कम आयी थी जिसको लेकर कटौती की गई होगी और जब स्पोर्ट्स किट व मेडिकल किट घर पर रखने के बारे में पूछा गया तब उन्होंने बताया कि जाँच किया जाएगा।

छात्र का अपहरण, 20 लाख फिरौती मांगी

बीएनएम@बेतिया। अपराधियों ने स्वर्ण व्यवसायी नगनारायण साह के पुत्र आशीष कुमार का अपहरण कर लिया है। आशीष कुमारबाग हाई स्कूल में पढ़ने गया था। छुट्टी के बाद घर नहीं लौटने पर स्वजन खोजबीन कर रहे थे। उसकी साइकिल व बैग स्कूल में मिला। इसी बीच शाम करीब सात बजे अपराधियों ने अनजान नंबर से आशीष के पिता के मोबाइल पर फोन किया और धमकाते हुए आशीष के अपहरण करने की सूचना दी तथा फिरौती में 20 लाख रुपये मांगे। फिरौती की रकम नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। आशीष के फुफेरा भाई रमपुरवा निवासी भोला कुमार ने बताया कि फोन करने वाले ने धमकाते हुए कहा कि उनका बेटा उन लोगों के कब्जे में सुरक्षित है। गुरुवार 12 बजे तक 20 लाख रुपये का प्रबंध कर लो। रुपये का प्रबंध हो जाने पर बताओ। तब रुपये पहुंचाने का जगह बताया जाएगा। अपराधियों ने इसकी जानकारी किसी को देने पर अंजाम बुरा होने की धमकी दी। कुछ घंटे के अंतराल में चार बार फोन आया। अपराधियों ने हर बार फिरौती की रकम तैयार रखने को कहा। इसके बाद स्वजनों ने इसकी सूचना कुमारबाग ओपी पुलिस को दी। अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। फिरौती की रकम मांगने वाले सिम की जांच की गई तो, सिम मनुआपुल ओपी क्षेत्र के शेख धुरवा के ताहिर हुसैन नामक व्यक्ति के नाम पर होने की पुलिस को जानकारी मिली।

केसरिया महोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक

मोतिहारी।केसरिया महोत्सव 2023 के सफल आयोजन के लिए गुरुवार को डीएम सौरभ जोरवाल व एसपी कांतेश कुमार मिश्र की संयुक्त अध्यक्षता में संबंधित पदाधिकारियों एवं कमेटी सदस्यों की समीक्षा बैठक हुई। 28, 29 एवं 30 नवंबर 2023 को तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव प्रस्तावित है।जिसके तहत बुद्ध पर प्रस्तुति, लेजर शो, बिहार गौरव गान, सांस्कृतिक कार्यक्रम कवि सम्मेलन, मुशायरा, स्कूली बच्चों का वाद विवाद प्रतियोगिता पेंटिंग प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता के आयोजन के साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल का प्रदर्शन, मेडिकल कैंप में मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर में मोतियाबिंद का इलाज, दिव्यांग जनों के बीच ट्राई साइकिल का वितरण व भूमिहीनों के बीच पर्चा वितरण आदि कार्यक्रम का होना निश्चित है। बैठक में महोत्सव को लेकर विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल, स्वास्थ सुविधा, लाइटिंग, महिला व पुरुष दर्शकगणों को बैठने की सुविधा साफ-सफाई,यातायात व्यवस्था वाहन पार्किंग आदि दुरुस्त रखने हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।

BORDER NEWS MIRROR

Friday 13 October 2023

Editorial

प्रेरक हैं 'रं' समुदाय के लोग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार 12 अक्टूबर को अपनी पिथौरागढ़ यात्रा के दौरान आदि कैलाश के दर्शन और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने के साथ 'रं' समुदाय से मुलाकात भी की। यह 'रं' नाम स्वयं में आकर्षण पैदा करता है। साथ ही इस समुदाय के बारे में जानने की इच्छा प्रबल होती है। यहीं जान लेना जरुरी है कि इस समुदाय से प्रधानमंत्री का लगाव अचानक नहीं पैदा हुआ है। अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में नवंबर, 2019 में उन्होंने इस समुदाय की चर्चा की थी। हाल के दिनों की बात करें तो इस समुदाय ने एक अनूठी पहल की है। शादी-विवाह में फिजूलखर्ची रोकने के लिए तय किया गया है कि शगुन के तौर पर दुल्हन के हाथ में सिर्फ एक रुपया दिया जायेगा। शादी में शराब परोसने और डीजे के प्रयोग से परहेज रखने का भी फैसला किया गया। ज्ञातव्य है कि रं समुदाय में दहेज पर पहले से ही प्रतिबंध है। अब दुल्हन की मेंहदी में बड़ी संख्या में अतिथियों की जगह सिर्फ घर वाले और नजदीकी रिश्तेदार शामिल होने लगे हैं। बाकी लोग, वह भी भरसक कम संख्या में बारात में शामिल किए जा रहे हैं और बारातियों को शगुन देना भी बंद करने का फैसला कर लिया गया है। यह फैसला लागू करना इसलिए मुश्किल नहीं है कि यह समुदाय मात्र ब्यास, दारमा और चौदास घाटी के कुछ गांव और कुछ हजार की संख्या में ही है। उक्त सामान्य चर्चा भर से 'रं' जैसी जनजाति के महत्त्व को नहीं समझा जा सकता। यह समुदाय भारत की चीन-तिब्बत सीमा के नजदीकी क्षेत्रों में रहता है। मौसम के हिसाब से इस समुदाय के लोगों को अपना स्थान बदलना भी पड़ता है। इसके बावजूद इन्होंने अपनी संस्कृति, खानपान, पहनावा और भाषा को नहीं छोड़ा है। याद करें कि जिन्हें भोटिया और शौका आदि नाम से जानते हैं, 'रं' उनके अपने समुदाय की भाषा से ही निकला शब्द है। प्रधानमंत्री ने 2019 में दरअसल, रं समुदाय के जीवट और अपनी संस्कृति के प्रति अटूट लगाव के कारण ही याद किया था। सीमावर्ती क्षेत्रों में मौजूद इन लोगों ने दुश्मनों के प्रति सावधानी में अपने देश की सेनाओं को समय-समय पर मदद भी की है।

सांस्कृतिक दिग्विजय की ओर भारत

बृजनन्दन राजू

आज भारत के यश-वैभव की विजय पताका दुनिया में फहरा रही है। योग व आयुर्वेद के क्षेत्र में पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। अमृतकाल में भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा के साथ विश्वसनीयता भी बढ़ी है। वहीं गौरवशाली विरासत और राष्ट्रीय स्वाभिमान की पुनः प्रतिष्ठा हो रही है। गुलामी के प्रतीक चिन्हों को मिटाकर आत्म सम्मान के साथ भारत खड़ा हो रहा है। राम-जन्मभूमि स्थल पर मन्दिर निर्माण की शताब्दियों पुरानी हिन्दुओं की अभिलाषा पूर्ण हो रही है। अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य दिव्य राम मंदिर तेजी से आकार ले रहा है। मकर संक्रान्ति के बाद रामलला गर्भगृह में विराजमान होंगे। लक्ष्य की ओर हम अविराम बढ़ रहे हैं। वर्षों बाद हमें हिन्दू होने का आत्मबोध हो रहा है। इस्लामी आक्रान्ताओं ने हिन्दुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए ही अयोध्या मथुरा और काशी के मंदिरों का विध्वंस किया था। इसके बाद निरन्तर राम जन्मभूमि के लिए संघर्ष चला। राम मंदिर के आन्दोलन में लाखों भक्त जेल गये, सहस्त्रों घायल हुए एवं बहुत बड़ी संख्या में रामभक्त बलिदान भी हुए। फिर भी मंदिर को प्राप्त करने की जिद हिन्दुओं ने नहीं छोड़ी। राम मंदिर के रुप में राष्ट्र मंदिर का निर्माण द्रुत गति से चल रहा है। जो सपना हमारे देश के महापुरुषों ने देखा था वह सपना मोदी के कार्यकाल में पूर्ण हो रहा है। मोदी सरकार के कार्यकाल में देशभर के धार्मिक व तीर्थस्थलों का कायाकल्प हुआ है। मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में भव्य अद्वैत लोक विकसित हो रहा है। दुनिया में सनातन की ध्वजा पताका फहरा रही है। हिन्दू चेतना ही भारत की आत्मा है। अब वह पुनःजाग्रत हो रही है। मोदी के प्रयासों से पूरे विश्व में हिन्दू उत्थान की लहर दिखाई पड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रत्येक भाग और हर वर्ग को स्पृश किया है। यह कहना अतिश्योक्तिपूर्ण नहीं होगा कि ऐसा हिन्दू उत्थान भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। हिन्दू जागरण की यह प्रबल लहर सम्पूर्ण भारत को आप्लावित कर रही है। ऐसा लग रहा है कि भारत के उत्थान और हिन्दुओं के पुनर्जागरण के लिए ही मोदी का आगमन हुआ है। जब-जब भारत सांस्कृतिक उत्थान के शिखर पर रहा है तब-तब उसकी गंज विदेशों की धरती तक पहुंची है। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी हिन्दुत्व की पताका को दुनिया में लहरा रहे हैं। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि नेता ऐसा हो जो पूरी तरह से समर्पित, स्वार्थ रहित और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ काम करे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उसके उदाहरण हैं। मोदी के नेतृत्व में गौरवशाली, वैभवशाली और समर्थ भारत का निर्माण हो रहा है। मोदी सरकार ने प्रगति का नया इतिहास रचा है। जन कल्याण व गरीब कल्याण का नया अध्याय लिखा है। आज पूरा विश्व भारत की ओर आशा भरी निगाहें से देख रहा है। जी- 20 सम्मेलन के बाद भारत विश्व की प्रमुख शक्ति बन कर उभरा है। नई दिल्ली स्थित भारत मण्डपम में संपन्न जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पृथ्वी,एक परिवार,एक भविष्य के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता ने इतिहास रचने का काम किया है। वसुधैव कुटुम्बकम को जी-20 के नारे के रुप में अपनाया गया। इससे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरुकता पैदा हुई है। अफ्रीकी संघ का जी-20 में शामिल होना भारत की ग्लोबल साउथ के प्रति प्रतिबद्धता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि अफ्रीकी संघ एक महत्वपूर्ण भागीदार है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's Opinion

डेमोक्रेसी, डाइवर्सिटी और डेमोग्राफी हमारी विशेषता व ताकत

ओम बिरला

भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन की अपूर्व सफलता और वैश्विक मुद्दों के समाधान की दिशा में भारत की अग्रणी भूमिका की समूची दुनिया में प्रशंसा हुई है। यह गौरव का विषय है कि इस सम्मेलन का समापन भी हमारी "वसुधैव कुटुंबकम- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" की अवधारणा को मजबूत करने वाले साझा घोषणा पत्र से हुआ। विश्व स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव का अनुमान इसी से हो जाता है कि संवेदनशील मुद्दों पर भी सबकी सहमति बनी है। जी-20 शिखर सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में भारत के लिए गर्व और सम्मान का एक विषय यह भी है कि भारत की संसद को जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों का सम्मेलन 'पी-20' की मेजबानी का मौका मिला है। दिल्ली में 13 व 14 अक्टूबर को हो रहे इस सम्मेलन में जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के अतिरिक्त आमंत्रित देशों की संसदों के अध्यक्ष भी सम्मिलित होंगे। संसद किसी भी देश की सर्वोच्च विधायी निकाय होती है जिसके माध्यम से ही जनप्रतिनिधि, जनआकांक्षाओं व अपेक्षाओं को सदनों में रखते हैं और वे ही कानूनों व नीतियों का निर्माण करते हैं। भारत, दुनिया की उन प्राचीन सभ्यताओं में से है जहां बहुरंगी विविधता और जिसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत रही है। भारत में लोकतंत्र की सदियों पुरानी अवधारणा है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में भी सभा, समिति व संसद जैसी सहभागी संस्थाओं का उल्लेख है। इसलिए लोकतंत्र हमारी सोच में, हमारी जीवन शैली में है। भारत ने अपनी 75 वर्षों की लोकतान्त्रिक यात्रा में साबित किया है कि हमारी डेमोक्रेसी, डाइवर्सिटी और डेमोग्राफी हमारी विशेषता भी है और हमारी ताकत भी है। लोकतंत्र की शक्ति से हमने समय समय पर आने वाली चुनौतियों का सामना कर समाज के सभी वर्गों के बीच सामंजस्य बनाया है और सबका सामाजिक व आर्थिक विकास सुनिश्चित किया है। यह कहना होगा कि जनकेन्द्रित विकास, समावेशी विकास हमारी लोकतान्त्रिक यात्रा के केंद्र में रहा है। लोकतंत्र की जननी भारत में पी -20 सम्मेलन के आयोजन का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि जी -20 में वैश्विक मुद्दों पर सर्वसम्मति मानवता के साझे भविष्य से जुड़ी हैं। हमारी संसदों में भी जनप्रतिनिधि इन्हीं मुद्दों पर व्यापक चर्चा के बाद एक सामूहिक दृष्टिकोण बनाते हैं। इससे चुनौतियों के सामूहिक समाधान निकालने में हमें सहायता मिलती है। इसलिए पी 20 सम्मेलन में भी भारत की संसद, वैश्विक स्तर पर सभी देशों की संसदों को साथ लेकर विश्व और मानवता के समक्ष महत्वपूर्ण समसामयिक मुद्दों के समाधान के लिए एक साझा दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करेगी। 9वें पी-20 सम्मेलन में मूल रुप से पर्यावरण के लिए जीवनशैली, सतत विकास लक्ष्य, जलवायु परिवर्तन, महिला नेतृत्व में विकास तथा मानवता के साझे भविष्य से संबंधित विषयों पर चर्चा होगी। सतत विकास लक्ष्यों ने विश्व में समग्र मानव विकास की संकल्पना को साकार करने के प्रयासों को निश्चित ही गति प्रदान की है। जैसे-जैसे हम वर्ष 2030 के करीब पहुंच रहे हैं, इस पहल के तहत हासिल उपलब्धियों का आकलन करना और इन्हें साकार करने के प्रयासों में तेजी लाना और महत्वपूर्ण हो जाता है। सतत विकास के इन लक्ष्यों में कई ऐसे हैं जिनका असर देशों की सीमाओं तक ही नहीं बल्कि सार्वभौमिक होता है। जरुरत इस बात की है कि इन मुद्दों पर देशों की संसदों में चर्चा व संवाद हो और सभी विरोधाभासों को समाप्त कर आम राय बने। राष्ट्रों की संप्रभुता बनाए रखते हुए इन मुद्दों पर देशों के बीच नीतिगत सहमति भी विकसित होनी चाहिए। तभी इसके बेहतर परिणाम दुनिया को मिल सकेंगें। ये परिणाम हासिल करने में हमारी संसदों की बड़ी भूमिका है। इसलिए पी 20 सम्मेलन में इस विषय पर विचार मंथन होगा। भारत ने विशाल जनसंख्या की चुनौतियों का मुकाबला करते हुए और विकसित देश बनने की आकांक्षा कायम रखते हुए अपनी विकास प्रक्रिया को हरित भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरुप ढालने का प्रयास किया है। आज भारत वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका में है।

(लेखक, लोकसभा अध्यक्ष हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

समीक्षा : टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है

विवेक रंजन श्रीवास्तव , भोपाल

किताब की शुरुवात लेखक के मन में उद्भूत विचारों से होती है. लेखक लिखता है . कम्पोजर कम्पोज कारता है. अक्षर शब्द और शब्द वाक्य बन जाते हैं, भाव मुखर हो उठते हैं. प्रकाशक छापता है. समारोह पूर्वक किताबों के विमोचन होते हैं. समीक्षक चर्चा करते हैं. किताब विक्रेता से होते हुये पाठक तक पहुंचती है. पाठक जब पुस्तक पढ़कर लेखक की वैचारिक यात्रा में बराबरी से भागीदारी करता है, तब किंचित यह यात्रा गंतव्य तक पहुंचती लगती है.

रचना के दीर्घगामी प्रभाव पड़ते हैं. लेखक सम्मानित होते हैं, पाठक रचनाकार के प्रशंसक, या आलोचक बन जाते हैं. अर्थात किताब की यात्रा सतत है, लम्बी होती है. अशोक व्यास व्यंग्य के मंजे हुये प्रस्तोता हैं. टिकाऊ चमचों की वापसी उनकी दूसरी किताब है. सुस्थापित लोकप्रिय, भावना प्रकाशन से यह कृति अच्छे गेटअप में प्रकाशित है.

सूर्यबाला जी ने प्रारंभिक पन्नो में अपनी भूमिका में पाया है कि लेखक अपने व्यंग्य कर्म में कहिं भी असावधान नहीं है. लालित्य ललित ने संग्रह के व्यंग्य पढ़कर आशा व्यक्त की है कि अपने आगामी संग्रहों में लेखक की चिंताये और व्यापक व अंतर्राष्ट्रीय हों. इस संग्रह में बत्तीस व्यंग्य हैं. पाठको के लिये विषयों पर सरसरी नजर डालना जरूरी है. अंग्रेजी घर पर है ?, अजब गजब मध्य प्रदेश , अध्यक्ष जी नहीं रहे. अध्यक्ष जी अमर रहें, आइए सरकार, जाइए, आभासी दुनिया का वास्तविक बन्दा, कलयुग नाम अधारा आपका आधार कार्ड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भारतीय तरीका, कोरोना कल्चर का प्रभाव, कोरोना की कृपा, गोद ग्रहण समारोह, जा आ आ जा आ आ दू !

जा आ आ दू , टिकाऊ चमचों की वापसी, ताली बजाओ ताल मिलाओ, दामाद बनाम फूफाजी, बुरा नहीं मानेंगे... चुनाव है, भारत निर्माण यात्रा, मध्यक्षता करा लो... मध्यक्षता, रंगबाज राजनीति, लिव आउट अर्थात छोड़ छुट्टा, विश्व युद्ध की संभावना से अभिभूत , सड़क बनाएँ, गड्ढे खोदें सतर्क मध्यमार्गी , सत्तर प्लस का युवा गणतन्त्र, साहित्यमति का बाहुबली साहित्यकार, सेवा के लिए प्रवेश, ज्ञान के लिए प्रस्थान, सोशल मीडिया के ट्रैफिक सिग्नल, हलवा वाला बजट , हाँ. मैं हूँ सुरक्षित !

होली के रंग बापू के संग, ईश्वर के यहाँ जल वितरण समस्या, जैसे दूरदर्शन के दिन फिरे और पोस्ट वाला ऑफिस डाकघर शीर्षकों से हजार, पंद्रह सौ शब्दों में अपनी बात कहते व्यंग्य लेखों को इस पुस्तक का कलेवर बनाया गया है. टाइटिल लेख टिकाऊ चमचों की वापसी से यह अंश उधृत करता हूं, जिससे आपको रचनाकार की शैली का किंचित आभास हो सके. प्लास्टिक के चमचों की जगह फिर धातुओ के चम्मचों का इस्तेमाल पसंद किया जा रहा है, यूज एण्ड थ्रो के जमाने में स्थायी और टिकाउ चमचों की वापसी स्वागत योग्य है . वह चमचा ही क्या जो मंह लगाने के बादस फेंक दिया जाये ... जैसे स्टील के चमचों के दिन फिरे ऐसे सबकें फिरें ... . अशोक व्यास अपने इर्द गिर्द से विषय उठाकर सहज सरल भाषा में व्यंग्य के संपुट के संग थोड़ा गुदगुदाते हुये कटाक्ष करते दिखते हैं .

परसाई जी ने लिखा था बलात्कार कई रूपों में होता है . बाद में हत्या कर दी जाती है . बलात्कार उसे मानते हैं जिसकी रिपोर्ट थाने में होती है. पर ऐसे बलात्कार असंख्य होते हैं जिनमें न छुरा दिखाया जाता है न गला घोंटा जाता है , न पोलिस में रपट होती है।

अशोक जी ने हम सबके रोजमर्रा जीवन में हमारे साथ होते विसंगतियों के ऐसे ही बलात्कारों को उजागर किया है, जिनमें हम विवश यातना झेलकर बिना कहीं रिपोर्ट किये गूंगे बने रहते हैं . उनकी इस बहुविषयक रिपोर्टो पर क्या कार्यवाही होगी ? कार्यवाही कौन करेगा ? सड़क पर लड़की की हत्या होती देखने वाला गूंगा समाज ? व्हाटस अप पर क्रांति फारवर्ड करने वाले हम आप ? या प्यार को कट पीसेज में फ्रिज में रखकर प्रेशर कुकर में प्रेमिका को उबालकर डिस्पोज आफ करने वाले तथाकथित प्रेमी ?

हवा के झोंके में कांक्रीट के पुल उड़ा देने वाले भ्रष्टाचारी अथवा सत्ता के लिये विदेशों में देश के विरुद्ध षडयंत्र की बोली बोलने वाले राजनेता ? इन सब के विरुद्ध हर व्यंग्यकार अपने तरीके से, अपनी शैली में लेखकीय संघर्ष कर रहा है . अशोक व्यास की यह कृति भी उसी अनथक यात्रा का हिस्सा है . पठनीय और विचारणीय है .

पुस्तक चर्चा

टिकाऊ चमचों की वापसी
अशोक व्यास
भावना प्रकाशन, दिल्ली
संस्करण २०२१
अजिल्द , पृष्ठ १२८, मूल्य १९९ रु
चर्चा... विवेक रंजन श्रीवास्तव, भोपाल

मैं कह सकता हूं कि टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है. अशोक व्यास संवेदना से भरे, व्यंग्यकार हैं . संग्रह खरीद कर पढ़यि आपको आपके आस पास घटित, शब्द चित्रों के माध्यम से पुनः देखने मिलेगा . हिन्दी व्यंग्य को अशोक व्यास से उम्मीदें हैं जो उनकी आगामी किताबों की राह देख रहा है.

एक लम्बी उड़ान सफलता की ओर

ये है जानभी चौधुरी, जो की ओड़शिा की रहने वाली है। ये एक ग्रेजुएट शिक्षक है। इन्हे संगीत गाना, पेन स्केच करना, प्रकृति फोटोग्राफी करना, सबकी मदत करना, नया कुछ सिखना और नृत्य करना बेहत पसंद है। पहले से इनको लिखना इतना पसंद नहीं था, मगर इनके जीबन में कुछ ऐसा हुआ की, वह डिप्रेशन से गुजरने लगी थी, उनकी मानसिक स्थिति का असर उनके पढ़ाई और तबीयत पर होने लगा, उनकी दशा बहुत बुरी हो गयी थी मगर तभी से उन्होंने लिखना शुरू किया, अपने अंदर के जज़्बातों को कागज़ में ज़ाहिर करना शुरू किया।

अपने हाल को शब्दों में पिरोना शुरू किया। मगर वह कभी हार नहीं मानी और डटकर अपने परिस्थिति का सामना किया और तब इनके माता -पिता ने ही इनका खोया हुआ आत्मबिस्वास बढ़ाया।

वह कहती है, सब हमे समझाने लगे मगर असर तब हुआ जब हम खुदके साथी बने, खुदसे प्यार करना सीखा और अँधेरे में गिरते -संभलते उसने अकेले रोशनी में चलना सिख ही लिया। और आज उन्हे लिखते -लिखते 3-4 साल हो गए हैं।

वह बिश्वास करती है, जो पहले लिखना

पसंद नहीं करती थी आज उसी लेखन से उसके जीबन को एक नयी दिशा दे दी है और ऐसी कोई जगह नहीं है की, जहाँ उनका लिखन न हो, उन्हे कविता, गद्य, शायरी, मोटिवेशनल स्टोरी और अनुच्छेद लिखना बहुत पसंद करती हैं।

स्टोरी मिरर पर भी उनका लिखन है और वह पॉडकास्ट भी करती है। आज न जाने कितने भटके लोगों को वह रास्ता दिखा चुकी हैं। उनका लक्ष्य है की वह सबकी मदत करें, जिस अवस्था से वह गुज़र चुकी है, उससे कोई और न गुज़रे

।वह समाज के लिए आज के युवा के लिए अपने लिखन के माध्यम से मदत करना चाहती है। उनका इंस्टाग्राम पेज है, जहाँ वह 2000+ से ज़्यादा लोगों से जुडी हुई है, अपने लिखन और वॉइस ओवर रील्स के माध्यम से। उनका लक्ष्य है, की वह कभी करोड़ों लोगों की आवाज़ बने, एक मोटिवेशनल स्पीकर बने और लोगों को प्रेरित करें। ये बहुत संकलन में काम कर चुकी है अभी भी कर रही है , बहुत संकलन में ये खुद संकलक भी रह चुकी हैं। इनकी अपनी संकलन है, कलयुग- काल का युग , दिल की बातें (Sarvad Publication), हाल -ए -ज़दिगी - The Untamned (Brown Page Publication), Culture Vs Modernity (Ek Shayar Ki Baate Publication), 90's Memories-The Nostalgia Alert (Uniq Publication) और हाली में लांच हुआ है, माँ -एक सच्ची कहानी, एक संघर्ष की निशानी (JEC Publication) और बहुत से समाचार पत्र में भी प्रकाशित हुई है। जैसे की, संस्कार समाचार, The Gram Today समाचार, Redhanded समाचार, हम हिंदूस्तानी USA (एक साप्ताहिक हिंदी बिदेशी समाचार पत्र), Coalfield Mirror समाचार, युग जागरण समाचार, दैनिक रोशनी समाचार, रुहेला टाइगर्स टाइम्स समाचार, दैनिक साहित्य समाचार, इंदौर समाचार, भारत टाइम्स समाचार, झंझट टाइम्स और राजगीर फ्रंटलाइन समाचार पत्र।इन्हे बहुत पदक, सम्मान पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

विश्वाकाश ग्रंथ रचनाकार के द्वारा सम्मानित पत्र प्राप्ति हुई है इन्हे। विश्वाकाश के चमकते सूर्य 2023 में मिला है इन्हे सम्मान पत्र।

इनकी पुस्तके Amazon, Flipkart पर है और Play Book Store पर भी है। और ये सफलता का श्रेय अपने ईश्वर, अपने पिता -माता और अपने करीबी लोगों को देती है।और बिश्वास करती है की अगर आत्मबिस्वास हो तो इंसान अपनी परिस्थिति का सामना कर, अपनी किस्मत खुद बदल सकता है।

संध्या चतुर्वेदी, मथुरा, उप्र

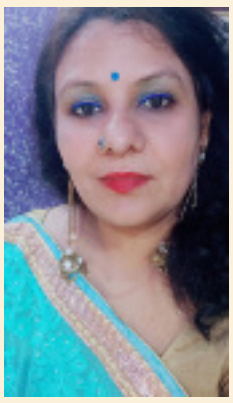

कैसी यह मुहब्बत

कैसी यह मुहब्बत है दोस्तो
कट रही रोज टुकडों में दोस्तों

जब प्यार था तब घर वार छोड़ दिया
आज उस ने ही यार प्यार छोड़ दिया

दिल से उतार फैंक दो उसे तुम
जिसने तुझे दिल से निकाल दिया

सौ टुकड़ो में कटने से अच्छा है
कि अकेले जिंदा रह लेना दोस्तों

जिंदगी जीने की सौ वजह ढूंढ लेना दोस्तों
तुम्हारे साथ जो हो रहा उस से उबर कर

दूसरों के लिए थोड़ा जी लेना दोस्तों
गम न करना मुहब्बत गंवाने का जरा भी

मिलती नहीं यह जिंदगी दुबारा तो
कुछ अपनी फिक्र कर लेना दोस्तों।।

ममता सिंह राठौर कानपुर

कदम भी अपना सफर

मोहब्बत लिखा तो पूछा यह क्या लिखा
नफरतों में यही सवाल किसके लिए लिखा।।

अरे बाबा लिखने दीजिए ख़ुद से जीने दीजिए
मन के विस्तृत आंगन में आने _ जाने दीजिए।।

अनुभवों के रंग से जिंदगी रगने दीजिए
अरे बाबा जिंदगी के स्वाद को चखने दीजिए।।

हदों के पार का ख़ामोश देखिए
मोल _तोल के बीच का झोल देखिए।।

अरे देखिए तो सही
जिंदगी का कड़वा कठोर देखिए
कदम भी अपना सफर भी अपना चलते चलिए।।

कही _सुनी कुछ _तुड़ी मुड़ी
मीठी खट्टी मिली जुली
यह जिंदगी किसकी खातिर,
मन के माफिक कौन है साथी।।

पेट की चर्बी कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पिएं हल्दी वाला पानी

बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग नाना प्रकार के जतन करते हैं। कुछ लोग जिम का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग डाइटिंग करते हैं। वहीं, कुछ लोग घरेलू नुस्खे अपनाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जंक फ़ूड के अत्यधिक सेवन से शरीर में फैट बढ़ने लगता है। एक बार वजन बढ़ने के बाद कंट्रोल करना आसान नहीं होता है। वहीं, लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं-

हल्दी

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो वजन घटाने में हल्दी फायदेमंद साबित होती है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, करक्यूमिन और पॉलीफेनॉल पाए जाते हैं, जो शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में सहायक होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के चलते यह पेट की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं।

> लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

कैसे करें सेवन

इसके लिए रोजाना हल्दी वाला पानी पिएं। इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाता है। इसके अलावा, हल्दी वाला पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, बदलते मौसम में होने वाले बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

इसके लिए हल्दी की एक गांठ को एक गिलास पानी में अच्छी तरह से उबाल लें। इस पानी को तब तक उबालें। जब तक पानी आधा न हो जाए। इसके बाद चाय छन्नी की मदद से हल्दी पानी को छान लें। अब शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहे तो स्वाद बढ़ाने के लिए हल्दी पानी में अदरक, नमक और काली मिर्च मिक्स कर सकते हैं। इस पानी को रोजाना पीने से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण

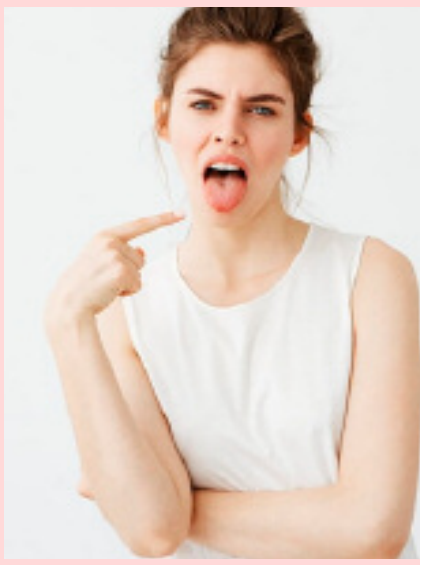

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें। ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें। गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है। दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है। ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा से धो लें. इससे दर्द में आराम मिलेगा। ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें।

त्वचा पर चाहते हैं कुदरती निखार, तो अपनाएं ये 3 आयुर्वेदिक उपाय

महिलाओं की ख़्वाहिश होती है कि उनकी त्वचा बेदाग और खूबसूरत हो। दमकती त्वचा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन इससे स्किन डैमेज हो सकती है। बिना मेकअप के चेहरे में निखार चाहती हैं, तो नेचुरल तरीके से त्वचा की देखभाल करें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आयुर्वेदिक फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस फेस मास्क को आप खुद घर पर बना सकती हैं। आइए जानते हैं, फेस पैक बनाने का तरीका।

बेसन और हल्दी का पैक: त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने में हल्दी काफी फायदेमंद होती है और बेसन से चेहरे के दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके लिए एक बड़े चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और गुलाब जल की मदद से पेस्ट बना लें। चाहें तो आप कच्चे दूध की मदद से भी पेस्ट बना सकती हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें।

चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक: चंदन त्वचा की खूबसूरती निखारने में बेहद मददगार है। यह त्वचा को बेदाग और कोमल बनाने में कारगर हो सकता है। इससे फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच चंदन पाउडर लें, अब इसमें गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

केसर और शहद का फेस मास्क: केसर का इस्तेमाल सेहत के साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है।

बच्चों में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, बेहतर होगा उनका फ्यूचर

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा कॉन्फिडेंट हों। वह किसी भी स्थिति में नर्वस फील न करें। अक्सर बच्चे कॉन्फिडेंट न होने का कारण बहुत सारी एक्टिविटीज में भाग नहीं ले पाते हैं और सुनहरा मौका गंवा देते हैं। कॉन्फिडेंस होना भी, एक तरह की स्किल है। जो बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपने बच्चों को बचपन से ही कॉन्फिडेंट बनाना सीखाएं। कई तरीकों से बच्चों में उत्साह और विश्वास ला सकते हैं। आइए जानते हैं, बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए कुछ असरदार टिप्स।

अच्छे काम के लिए तारीफ करें

जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करें, तो उसकी तारीफ करना न भूलें। बच्चे अपने पेरेंट्स से तारीफ सुनना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि आप उनके काम को नोटिस करें। चाहे उन्होंने अपने खिलौने को सही जगह पर रखा हो, डांस किया हो या ड्राइंग बनाई हो।

आप बच्चों की प्रयासों के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होगी।

प्यार जताएं

चाहे बच्चे हो या बड़े, सब प्यार के भूखे होते हैं। ये हमें आत्मविश्वास से भर देता है। कई पेरेंट्स बच्चों के हर बात पर भड़क जाते हैं। जिससे बच्चा डरपोक होता है। आप अपने बच्चे से प्यार जताएं। उन्हें इस बात का भरोसा दिलाएं कि आप उनसे बेशुमार प्यार करते हैं और ये भी कहें कि किसी प्रॉब्लम में आप बच्चे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उनकी ताकत बनें, तभी आपका बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगा।

निगेटिव चीज़ों से दूर रखें

बच्चे गलत आदतों को बहुत जल्दी सीखते हैं। ऐसे में आप आसपास के माहौल पर ध्यान दें और बच्चों को निगेटिव माहौल से दूर रखें।

उनसे हमेशा पॉजिटिव बातें करें, कभी न कहें कि तुम इस काम को नहीं कर पाओगे, तुम पढ़ाई में विक हो आदि नकारात्मक बातें न करें। उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।

BNM Fantasy

Friday
13 October 2023

जैस्मिन भसीन ने दिखाया अपना नया लुक

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन हाल ही में तबीयत बिगड़ने की वजह से अस्पताल में भर्ती हुई थीं और बीते दिन ही उनको अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद एक्ट्रेस अब एक बार फिर से सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गई हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है। उनके इस पोस्ट पर बॉयफ्रेंड अली गोनी के कमेंट ने हर किसी का ध्यान खींचा है।'टशन-ए-इश्क' और 'दिल से दिल तक' जैसे कई सीरियल्स में नजर आ चुकी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन अपने फैशन और टैलेंट की वजह से लोगों का दिल जीत लेती हैं। एक्ट्रेस की तबीयत खराब होने की वजह से उनके फैंस भी चिंता में थे।

अ

नन्या पांडे ने शेयर किया बचपन का वीडियो

'ड्रीम गर्ल 2' फेम एक्ट्रेस अनन्या पांडे बी-टाउन की फेमस अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी चीजें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना एक बचपन का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक बोतल लेकर उसका एड करते हुए दिखाई दे रही हैं। अनन्या पांडे के इस वीडियो पर उनके दोस्तों से लेकर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने कमेंट किया है। एक्ट्रेस का यह वीडियो देख कर उनके फैंस भी उनकी क्यूटनेस की तारीफ कर रहे हैं।अनन्या पांडे ने अपने बचपन का एक बेहद प्यारा वीडियो सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में नन्हीं अनन्या एक एड के शूट की प्रैक्टिस करते दिखाई दे रही हैं। टीवी की शेल्फ पर बैठी एक्ट्रेस अनन्या को कहते हुए सुना जा सकता है कि इस एड में आपका स्वागत है, एक एड जो एक परफ्यूम के बारे में है। यह परफ्यूम बहुत खुशबूदार है। इसकी खुशबू अच्छी है और यह कमल की खुशबू की तरह लगती है'। इस वीडियो को शेयर करते हुए अनन्या ने कैप्शन में लिखा 'A ad'। अनन्या पांडे की इस वीडियो पर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ ही उनकी दोस्त सुहाना खान ने भी इस पर कमेंट किया और लिखा 'टीचर टीचर'। मां भावना पांडे ने कमेंट में लिखा 'सुगंधित परफ्यूम'। नीलम कोठारी ने कमेंट में लिखा 'तुम बहुत क्यूट हो'।

सुष्मिता की 'आर्या-3' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

ये तीसरा सीजन कई और राज खोलेगा

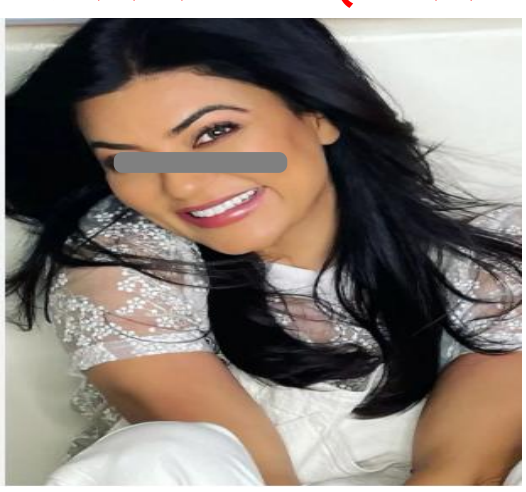

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन की 'आर्या' वेब सीरीज काफी पॉपुलर रही थी। इस वेब सीरीज के अब तक 2 सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिसमें सुष्मिता की दमदार परफॉर्मेंस देखने को मिली थी। इसके बाद एक बार फिर सुष्मिता तीसरे सीजन के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। इस सीजन का टीजर 3 दिन पहले रिलीज हुआ था, अब ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। इस वेब सीरीज में सुष्मिता आर्या नाम की माफिया क्वीन का किरदार निभा रही हैं। अपने पिता और पति के जाने के बाद, आर्या पारिवारिक व्यवसाय की बागडोर संभालती है, न चाहते हुए भी उसे अपराध की दुनिया में प्रवेश करना पड़ता है और यहीं से माफिया क्वीन बनने का उसका सफर हम पिछले दो सीज़न में देख चुके हैं। क्या टीजर देखने के बाद खत्म हो जाएगा आर्या का सफर? दर्शकों के मन में ये एक सवाल था, लेकिन अब ट्रेलर देखकर साफ है कि ये तीसरा सीजन कई और राज खोलेगा। कहानी 1000 करोड़ की ड्रग डील के इर्द-गिर्द घूमती है। तो इस नए सीजन में आर्या के सामने एक नया प्रतियोगी भी खड़ा नजर आएगा। इसके साथ ही ट्रेलर में यह भी साफ है कि इस नए सीजन में आर्या के परिवार पर संकट आ गया है जो हमेशा अपने बच्चों की रक्षा करते हैं. अब क्या आर्या इस संकट से बाहर निकलेगी और अगर गिर भी गई तो क्या उसके बच्चों की जिंदगी अच्छी होगी या बुरी या फिर उसे पुलिस पकड़ लेगी? ऐसे कई सवालों के जवाब सीरीज देखने के बाद मिलेंगे। इस तीसरे सीजन में सुष्मिता सेन "आर्या" के किरदार में हमेशा की तरह डैशिंग लग रही हैं। इसके साथ ही उम्र के साथ उनमें बदलाव भी ट्रेलर में साफ नजर आ रहा है। क्या आर्या अब अपने पंजे बाहर निकालेगी? इसका जवाब हमें 3 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर मिलेगा। सीरीज "आर्या" के दोनों सीजन को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और सुष्मिता की भी खूब तारीफ हुई। सुष्मिता हाल ही में रवि जाधव की वेब सीरीज "ताली" में नजर आई थीं और अब फैंस उन्हें दोबारा आर्या के किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।